तापमान

अधिकतम 32.0 डिग्री

न्यूनतम 20.0 डिग्री

हरिभूमि

कांकेर भूमि

रायपुर, सोमवार 19 अक्टूबर 2026

10 अष्टमी पर मां दंतेश्वरी के दर्शन को उमड़ा ...



11 बाढ़ के बाद बारिश नहीं होने से खरीफ फसलों ...



भानुप्रतापपुर | चारामा | अंतागढ़ | पखांजूर | दुर्गूकोंदल | नरहरपुर | लखनपुरी | कोयलीबेड़ा

नवरात्रि विशेष



नवमी: सिद्धिदात्री

नवम नवरात्रि को देवी माता के मंडपों में सिद्धिदात्री देवी की आराधना होती है। सिद्धिदात्री मां दुर्गा का नौवां स्वरूप है। माता की यह शक्ति सभी प्रकार की सिद्धियां देने वाली है। मार्कंडेय पुराण के अनुसार अणिमा, महिमा, गरिमा, लांघना, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशित्व और वशित्व यह आठ सिद्धियां है। ब्रह्मवैवर्तपुराण के श्रीकृष्ण जन्म खंड में यह संख्या अठारह बताई गई है। सिद्धिदात्री को ही जगत को चलाने वाली देवी कहा गया है। देवी पुराण के अनुसार महादेव ने इनकी कृपा से ही सिद्धियां प्राप्त की थी। इन्ही के कृपा से सदाशिव का आधा शरीर देवी का हुआ है। यह भी कथा है कि मधु-कैटभ के वध के लिए महादेवी ने महामाया फैलाई और उसके अनेक रुप हो गए। भ्रमित दानवों ने पूछा कि देवी जब तुम अकेली हो तो इतनी सारी शक्तियां कौन है। तब देवी ने कहा कि सब मेरी शक्तियां हैं। मुझसे अलग कुछ नहीं है। इतना कहते देवी ने तमाम शक्तियां समेट ली और केवल सिद्धिदात्री मां ही रह गई। ऐसे ही समुद्र मंथन के समय सिद्धिदात्री देवी ने ही असुओं को भ्रम में डाला था। सिद्धिदात्री मां कमला ही धन-धान्य की प्रतीक हैं। मां सिद्धिदात्री चार भुजाओं वाली है। कमल पुष्प इनका आसन है। देवी के दाहिने तरफ के नीचे वाले हाथ में चंद्र, उपर वाले हाथ में गदा और बांई तरफ के नीचे वाले हाथ में शंख और उपर वाले हाथ में कमल पुष्प है। जगत का कल्याण करने वाली यह देवी नवरात्री की अधिष्ठात्री भी है। सिद्धिदात्री मां के भक्तों की लौकिक-पारलौकिक सभी प्रकार की कामनाएं पूर्ण होती हैं। सिद्धिदात्री माता का आराधना का मंत्र है-

सिद्धगंधर्वयक्षाद्यैरसुरैरमरैरपि।
सेव्यमाना सदा भूयात सिद्धिदा सिद्धिदायिनी।।

पैसेंजर ट्रेन सेवा का शुभारंभ 20 को, रावघाट-रायपुर रेल कनेक्टिविटी को नई रफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

कांकेर अंचल में रेल सुविधाओं के विस्तार की दिशा में 20 अक्टूबर का दिन महत्वपूर्ण होने जा रहा है। रावघाट-रायपुर नई रेल लाइन एवं पैसेंजर ट्रेन सेवा के शुभारंभ से क्षेत्र में रेल कनेक्टिविटी को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। लंबे समय से बेहतर परिवहन सुविधाओं की आवश्यकता महसूस कर रहे क्षेत्र के लोगों के लिए यह पहल आवागमन के नए अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में अहम मानी जा रही है। शुभारंभ कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शामिल होंगे, जबकि केंद्रीय रेल मंत्री वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम से जुड़ेंगे।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल से प्राप्त जानकारी के अनुसार, रायपुर-केंद्री तथा रावघाट-रायपुर नई रेल लाइन एवं पैसेंजर ट्रेन सेवा का शुभारंभ मंगलवार, 20 अक्टूबर 2026 को अपराह्न 1 बजे किया जाएगा। इस अवसर पर रावघाट रेलवे स्टेशन स्थित कार्यक्रम स्थल पर आयोजन होगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी तथा भारत सरकार के रेल मंत्री वर्चुअल माध्यम से शामिल होंगे। रेल लाइन और पैसेंजर ट्रेन सेवा का शुभारंभ क्षेत्र में परिवहन सुविधाओं के विस्तार के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। रेल सेवा शुरू होने से लोगों को सड़क परिवहन के अतिरिक्त रेल से यात्रा करने का विकल्प मिलेगा। इससे यात्रियों को आवागमन में सुविधा मिलने के साथ ही क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों को रेल नेटवर्क ⏭शेष पेज 10 पर

केंद्रीय रेल मंत्री वर्चुअल माध्यम से जुड़ेंगे



क्षेत्रीय विकास होना तय

नई रेल लाइन के शुभारंभ को क्षेत्रीय विकास की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। रेल संपर्क मजबूत होने से स्थानीय बाजारों, व्यापारिक गतिविधियों और भविष्य में परिवहन आधारित विकास की संभावनाओं को गति मिल सकती है। हालांकि, यात्रियों को वास्तविक सुविधा का लाभ ट्रेन के निर्धारित मार्ग, ठहराव, समय-सारिणी और नियमित संचालन पर निर्भर करेगा।

23 साल से माँग के बाद 4.57 करोड़ की सड़क बनी, लेकिन नदी पर पुल बनाना भूले जिम्मेदार

नदी तट तक सड़क बनी पर पुल नहीं, आवागमन संकट यथावत

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

जिला मुख्यालय से लगभग 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित ग्राम कुरिष्टिकुर से आलबेडा तक आवागमन को सुगम बनाने के लिए वर्ष 2023 में 4.57 करोड़ रुपये की लागत से 5 किलोमीटर लंबी पक्की सड़क का निर्माण कराया गया। सड़क बनने से ग्रामीणों को बेहतर आवागमन की उम्मीद जगी थी, लेकिन मार्ग में पड़ने वाली नदी पर पुल का निर्माण नहीं होने से उनकी मुश्किलें आज भी बरकरार हैं।

- कुरिष्टिकुर से आलबेडा का विसंगतिपूर्ण विकास
- पुल निर्माण की आस लगाए बैठे हैं 10 गांवों के हजारों लोग

कुरिष्टिकुर से आलबेडा तक सड़क निर्माण पर करोड़ों रुपये खर्च किए गए, लेकिन नदी पर पुल नहीं बनने से इस मार्ग का पूरा लाभ ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है। नदी के दूसरे छोर पर ग्राम आलबेडा, तेलावट, कापसी, भैराडीह, बरवेटोला, कोरेटा और डोंगरहिल सहित कई गांव स्थित हैं। वहीं, ग्राम कुरिष्टिकुर का बड़पारा भी नदी के उस पार पड़ता है। इन गांवों के लोगों को रोजमर्रा के काम, शिक्षा, खेती-किसानी और अन्य जरूरतों के लिए नदी पार करनी पड़ती है। पुल के अभाव में ग्रामीणों को मौसम और नदी में पानी के स्तर के अनुसार आवागमन की परेशानी झेलनी पड़ती है। सड़क तो बन गई, मगर नदी पार करने की समस्या जस की तस बनी हुई है। स्थिति यह है कि आसपास के करीब 10 गांवों के हजारों ग्रामीणों को नदी पार करने के लिए परेशानी उठानी पड़ती है। ग्रामीणों का कहना है कि नदी पर पुल निर्माण की मांग करीब 26 साल से की जा रही है, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हुई है।



पुल बनने से कई गांवों को मिलेगी राहत

ग्राम कुरिष्टिकुर की सरपंच लिलेश्वरी मंडावी ने कहा कि नदी पर पुल बनाने की मांग बहुत पुरानी है। पुल ⏭शेष पेज 10 पर

100 से अधिक किसानों के खेत नदी के उस पार

इस मार्ग पर पुल नहीं होने से किसानों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। नदी के दूसरे छोर पर 100 से अधिक किसानों के खेत हैं। खेती-किसानी के मौसम में किसानों को खेतों तक पहुंचने, कृषि कार्य करने और जरूरी सामान ले जाने के लिए नदी पार करनी पड़ती है। ऐसी स्थिति में किसानों को धनेलीकन्हार होकर लगभग 14 किमी. का अतिरिक्त रास्ता तय करना पड़ता है।

मुख्यमंत्री से विधायक तक लगा चुके हैं गुहार

ग्रामीणों के अनुसार, नदी पर पुल निर्माण की मांग लंबे समय से जनप्रतिनिधियों और शासन-प्रशासन के समक्ष रखी जा रही है। मुख्यमंत्री से लेकर स्थानीय विधायक तक इस समस्या से अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक पुल निर्माण की दिशा में ठोस कार्रवाई नहीं हो पाई है। ग्रामीणों का कहना है कि जब सड़क निर्माण के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए गए, तब उसी मार्ग पर नदी के ऊपर पुल बनाने की व्यवस्था भी की जानी चाहिए थी, ताकि सड़क का वास्तविक लाभ लोगों को मिल सके।

घर में चोरी की फर्जी शिकायत की, 5 लाख के गहने जब्त, आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

घर में चोरी की शिकायत दर्ज कराकर चोर की तलाश करने वाला व्यक्ति ही आखिरकार खुद चोरी का आ रो पी निकला। मां और पत्नी के सोने-चांदी के जे व रा त चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराने वाले शिकायतकर्ता की पोल पुलिस की जांच में खुल गई। शिकायतकर्ता प्रदीपचन्द्र गंगबेर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी ने ऑनलाइन जुआ खेलने, खान-पान और अपने शौक पूरे करने के लिए घर में रखे जेवरात चोरी करना स्वीकार किया है। उसके कब्जे से करीब 5 लाख रुपए मूल्य के आभूषण बरामद किए गए हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम बागडोंगरी निवासी 36 वर्षीय प्रदीपचन्द्र गंगबेर पिता शिवप्रसाद गंगबेर ने थाना चारामा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 17 अक्टूबर को वह अपने परिवार के साथ नवरात्रि कार्यक्रम देखने कांकेर गया था। रात में घर लौटने पर आलमारी में रखे उसकी मां और पत्नी के सोने-चांदी के जेवरात गायब मिले। शिकायतकर्ता ने चोरी गए आभूषणों की कीमत करीब 6 लाख रुपए बताई थी। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 216/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 305 (ए) एवं 331 (4) में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम गठित कर घटनास्थल का निरीक्षण किया गया और संदिग्धों से पूछताछ की गई। जांच के दौरान शिकायतकर्ता की भूमिका संदिग्ध ⏭शेष पेज 10 पर

- शिकायतकर्ता ऑनलाइन जुआ और शौक पूरे करने घटना को दिया अंजाम



यह आभूषण हुए बरामद

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से सोने का एक हार, एक जोड़ी कान के झुमके, एक अंगूठी, दो लॉकेट, चांदी के तीन करधन, चार छोटी पायल, एक बड़ी पायल, चांदी की एक कटोरी और एक चम्मच बरामद किया है। बरामद आभूषणों की अनुमानित कीमत 5 लाख रुपए बताई गई है।

कार्रवाई टीम में यह रहे शामिल

कार्रवाई में निरीक्षक सुरेश कुमार राठौर, उप निरीक्षक रूपेन्द्र पटेल, प्रशिक्षु उप निरीक्षक हेमंत मार्गिया और आरक्षक तरुण सिन्हा सहित पुलिस टीम की भूमिका रही।

खबर संक्षेप

बदलावंड में हुआ एचआईवी शिविर



जगदलपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बकावंड के खंड चिकित्सा अधिकारी के मार्गदर्शन व मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय बसाक व एचआईवी नोडल अधिकारी डॉ. सीआर मैत्री के दिशा निर्देशानुसार ग्राम पंचायत बदलवंड में जांच शिविर का आयोजन गया। इसमें 18 वर्ष से अधिक महिला, पुरुष व गर्भवती माताओं की जांच की गई। शिविर में मुख्य रूप से आईसीटीसी काउंसलर रूपसाय कश्यप, एमएलटी भुपेन्द्र नाग, लेब तकनीशियन लोकमनी साहू, एक्स-रे तकनिशियन मीना मानिकपुरी, स्टाप नर्स प्रदीपा नाग, गायत्री सारथी, पर्यवेक्षक दिनेश परते, मितानिन हिरामनी सेठिया शामिल रहे।

रास गरबा के लकी ड्रा में पलक ने जीती ईवी बाइक

हरिभूमि न्यूज ⏭ भानुप्रतापपुर

नगर भानुप्रतापपुर में वीवी ब्रदर्स द्वारा आयोजित पांच दिवसीय रास गरबा 2026 का समापन उत्साह, उमंग और भ क्ति म य वातावरण में हु आ । महोत्सव में नगरवासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पारंपरिक गरबा नृत्य और मां दुर्गा की आराधना के साथ पूरा नगर उत्सव के रंग में रंगा नजर आया। आयोजन ने धार्मिक आस्था के साथ-साथ सांस्कृतिक एकता और आपसी सद्भाव का संदेश दिया। समापन समारोह में विधायक सावित्री मांडवी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। उन्होंने गरबा महोत्सव का आनंद लिया और प्रतिभागियों के उत्साह की सराहना की। वहीं, विशेष अतिथि के रूप में आयोजन के मुख्य प्रायोजक एवं पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष सुनील बबला पाढ़ी तथा परिवहन संघ के अध्यक्ष गुरदीप सिंह ढींढसा भी उपस्थित रहें। समापन समारोह का प्रमुख आकर्षण लकी ड्रॉ रहा। विधायक ने लकी ड्रॉ के ⏭शेष पेज 10 पर

- रास गरबा का समापन, विजेताओं ने जीते आकर्षक पुरस्कार



डूमरपानी जलाशय में स्लो सैंड फिल्टर का भूमिपूजन किया विधायक नेताम ने

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

डूमरपानी जलाशय में स्लो सैंड फिल्टर निर्माण कार्य का भूमिपूजन विधायक आशाराम नेताम के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस पहल का उद्देश्य क्षेत्र में स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता को बेहतर बनाना तथा ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाना है। स्लो सैंड फिल्टर की स्थापना से जल शोधन व्यवस्था को मजबूती मिलने और लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने में सहायता मिलने की उम्मीद है। विधायक आशाराम नेताम ने 18 अक्टूबर को भूमिपूजन करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता लोगों के स्वास्थ्य और जीवन स्तर से सीधे जुड़ी हुई है। दूषित पानी के कारण विभिन्न प्रकार की जलजनित बीमारियों का खतरा बना रहता है। ऐसे में जल स्रोतों से प्राप्त पानी को उचित प्रक्रिया के माध्यम से शुद्ध कर लोगों तक पहुंचाना बेहद आवश्यक है। ग्राम झुमरपानी जलाशय में स्लो सैंड फिल्टर की स्थापना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। स्लो सैंड फिल्टर पानी को रेत की परतों के माध्यम से छानकर उसमें मौजूद कई प्रकार की अशुद्धियों को कम करने वाली जल शोधन प्रणाली है। उचित रखरखाव और आवश्यक तकनीकी मानकों के पालन के साथ यह व्यवस्था पेयजल की गुणवत्ता सुधारने में उपयोगी साबित हो सकती है। इसके निर्माण से क्षेत्र की पेयजल व्यवस्था ⏭शेष पेज 10 पर

अंतागढ़ जिला निर्माण आंदोलन जारी, कई वर्गों का मिला समर्थन

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंतागढ़

अंतागढ़ को जिला बनाने की मांग को लेकर क्षेत्रवासियों का अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन लगातार जारी है। आंदोलन के 14वें दिन व्यापारी संघ और पिछड़ा वर्ग समाज के प्रतिनिधियों ने धरना स्थल पर पहुंचकर आंदोलनकारियों को समर्थन दिया। विभिन्न सामाजिक एवं व्यापारिक संगठनों के जुड़ने से जिला बनाने की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन को मजबूती मिल रही है। धरना स्थल पर पहुंचे व्यापारी संघ और पिछड़ा वर्ग समाज के प्रतिनिधियों ने आंदोलनकारियों से मुलाकात कर उनकी मांग के प्रति एकजुटता जताई। उन्होंने कहा कि अंतागढ़ को जिला बनाने की मांग लंबे समय से उठाई जा रही है। क्षेत्र के विकास और जनहित से जुड़े इस मुद्दे पर वे आंदोलनकारियों के साथ हैं। समर्थन देने पहुंचे प्रतिनिधियों ने कहा कि अंतागढ़ को जिला बनाए जाने से क्षेत्र में प्रशासनिक सुविधाओं का विस्तार हो सकता है। जिला मुख्यालय बनने से लोगों को शासकीय कार्यों के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों में जाने की परेशानी से राहत मिलने की उम्मीद है। इसके साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास को गति मिल सकती है। उन्होंने कहा कि नए जिले के गठन से प्रशासनिक पहुंच मजबूत होने और शासकीय योजनाओं का लाभ आम लोगों तक पहुंचाने में मदद मिल सकती है। क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों और प्रशासनिक सुविधाओं की आवश्यकता को देखते हुए स्थानीय नागरिक लगातार इस मांग को शासन के समक्ष ⏭शेष पेज 10 पर



फार्म मशीनरी बैंक योजना से किसानों को मिलेगी ड्रोन सुविधा

कृषि ड्रोन से 10 मिनट में एक एकड़ खेत पर छिड़काव संभव

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

खेती-किसानी में आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल अब किसानों के लिए समय और श्रम बचाने का नया रास्ता खोल रहा है। कभी

- किसान को ड्रोन के लिए4 लाख रुपये का अनुदान बना सहारा

जिस काम को पूरा करने में घंटों की मशक्कत करनी पड़ती थी, वही काम अब कुछ ही मिनटों में किया जा सकेगा। कृषि ड्रोन की मदद से अब एक एकड़ खेत में महज 10 से 15 मिनट में कीटनाशक का छिड़काव संभव होगा। इससे किसानों को न केवल शारीरिक मेहनत से राहत मिलेगी, बल्कि कृषि कार्यों को भी अधिक सुविधाजनक बनाया जा सकेगा।

आधुनिक कृषि तकनीक को अपनाने की दिशा में ग्राम चंवाड़ निवासी किसान शिव कुमार कडियाम ने महत्वपूर्ण पहल की है। कृषि यंत्रीकरण सबमिशन अंतर्गत फार्म मशीनरी बैंक योजना के तहत उन्होंने कृषि ड्रोन खरीदा है। इसके लिए उन्हें शासन की ओर से 4 लाख रुपये की अनुदान राशि प्राप्त हुई है। कृषि ड्रोन मिलने से शिव कुमार कडियाम के लिए खेतों में कीटनाशक का छिड़काव करना पहले की तुलना में काफी आसान हो जाएगा। पहले एक एकड़ खेत में छिड़काव करने में लगभग 2 से 3 घंटे का समय लगता था। अब ड्रोन तकनीक की सहायता से यही काम महज 10 से 15 मिनट में पूरा किया जा सकेगा। इससे समय और श्रम की बचत होगी तथा कृषि कार्यों को तेजी से पूरा करने में मदद मिलेगी। किसान को कृषि ड्रोन की उपलब्धता जिले में आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने ⏭शेष पेज 10 पर



आधुनिक खेती को बढ़ावा देने की पहल

फार्म मशीनरी बैंक योजना का उद्देश्य किसानों तक आधुनिक कृषि उपकरणों की पहुंच बढ़ाना और खेती की लागत, समय एवं श्रम के बोझ को कम करने में सहायता करना है। कृषि ड्रोन जैसी कनीक से फसलों में कीटनाशकों के छिड़काव का कार्य अधिक सुविधाजनक बनाया जा सकता है। हालांकि, इसके प्रभावी उपयोग के लिए निर्धारित सुरक्षा मानकों और कृषि विशेषज्ञों के निर्देशों का पालन करना भी जरूरी है।

गढ़ मावली माता मंदिर में नवरात्रि की धूम, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

कोरर। शारदीय नवरात्रि के अवसर पर बरगहिन माता के नाम से प्रसिद्ध पहाड़ पर स्थित गढ़ मावली माता मंदिर में भक्तिमय माहौल बना हुआ है। मंदिर में ज्योति कलश प्रज्वलित कर हर्षोल्लास के साथ नवरात्रि पर्व मनाया जा रहा है। माता रानी के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। पहाड़ पर स्थित मंदिर तक पहुंचने के लिए सीढ़ियों की सुविधा है, जिससे श्रद्धालु आसानी से दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। मंदिर परिसर और पहाड़ पर शिव-पार्वती, काली माता, नरसिंहनाथ मंदिर तथा बजरंगबली की भव्य प्रतिमा स्थापित है। रात्रि में झालर लाइट और आकर्षक रोशनी से पूरा पहाड़ जगमगा उठता है।



श्रद्धालुओं की टोलियां लगातार पहुंचकर संगीतमय माता सेवा और जसगीत प्रस्तुत कर रही हैं, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। मंदिर समिति के सदस्यों ने बताया कि वर्ष 2000 से यहां गढ़ मावली माता की पूजा-अर्चना और मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित करने की परंपरा चली आ रही है। हालांकि, कुछ कारणों से पिछले वर्ष नवरात्रि पर पूजा-अर्चना नहीं हो सकी थी। समस्याओं का समाधान और आपसी सामंजस्य स्थापित होने के बाद इस वर्ष पुनः क्वांर नवरात्रि पर्व पर विधि-विधान से पूजा-अर्चना शुरू की गई है। इस वर्ष मंदिर में श्रद्धालुओं की मनोकामना के प्रतीक स्वरूप 55 तेल और 2 घी के ज्योति कलश प्रज्वलित किए गए हैं। श्रद्धालु माता रानी के दर्शन कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना कर रहे हैं। नवरात्रि के दौरान मंदिर में श्रद्धालुओं की आवाजाही और भक्ति गीतों से क्षेत्र का वातावरण भक्तिमय बना हुआ है।

अष्टमी पर मां दंतेश्वरी के दर्शन को उमड़ा आस्था का सैलाब, 3.5 क्विंटल गेंदा के फूलों से सजा मंदिर

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरसगांव

फरसगांव ब्लॉक मुख्यालय से करीब 16 किलोमीटर दूर स्थित देव नगरी बड़ेडोंगर में शारदीय नवरात्र की अष्टमी पर रविवार को मां दंतेश्वरी के दर्शन के लिए हजारों श्रद्धालु पहुंचे। सुबह से ही मंदिर में भक्तों की भीड़ उमड़ने लगी। देर शाम तक श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर माता के दर्शन किए और सुख-समृद्धि की कामना की। पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी मां दंतेश्वरी मंदिर को केदारनाथ मंदिर की तर्ज पर करीब साढ़े तीन क्विंटल गेंदे के फूलों से सजाया गया, जो आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा। मंदिर परिसर माता के जयकारों से गूंजता रहा।

बड़ेडोंगर की पहचान केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व भी है। यहां भैसादोंद पहाड़ी पर मां दंतेश्वरी विराजमान हैं। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, इसी पहाड़ी पर मां दुर्गा ने महिषासुर का वध किया था। पहाड़ी की चट्टानों पर माता के पदचिह्न, नयन और युद्ध से जुड़े निशान होने की मान्यता है। बस्तर के महाराजा पुरुषोत्तम देव के शासनकाल में बड़ेडोंगर बस्तर रियासत की राजधानी भी रहा है।

सदियों पुरानी परंपराएं आज भी जीवंत : बड़ेडोंगर में आज भी पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ धार्मिक अनुष्ठान किए जाते हैं। मां दंतेश्वरी मंदिर परिसर में मौजूद शिलालेख के अनुसार, वर्ष 1836 में राजा दरियाव देव के शासनकाल में देवी-देवताओं से जुड़े कार्यों के लिए पांच नाईकों का चयन किया गया था। इनके वंशज आज भी विभिन्न धार्मिक आयोजनों में अपनी परंपरागत भूमिका निभाते हैं। महानवमी पर मां की विशेष पूजा-अर्चना के बाद नौ कन्याओं का पूजन और भोज कराया जाता है। नवरात्र के दौरान जोगी उठाई सहित अन्य पारंपरिक रस्में भी निभाई जाती हैं।

पुरानी परंपराओं और पौराणिक मान्यताओं के लिए प्रसिद्ध है देव नगरी बड़ेडोंगर : भरत भारद्वाज

मंदिरों में प्रज्वलित की गई ज्योति

नवरात्र के अवसर पर मां दंतेश्वरी मंदिर के साथ शीतला मंदिर, महादेव पहाड़ी और हिंगलाजिन माता मंदिर में भी श्रद्धालुओं ने हजारों तेल एवं घी की ज्योति प्रज्वलित की गई है। दूर-दराज के गांवों से पहुंचे भक्तों ने माता को नारियल, चुनरी और श्रृंगार सामग्री अर्पित कर मनोकामनाएं मांगीं। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए मंदिर समिति और पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा एवं व्यवस्था के इंतजाम किए।



दुनदुनी पत्थर भी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र

बड़ेडोंगर की पहाड़ी पर स्थित ठुनठुनी पत्थर, जिसे स्थानीय बोली में कौड़ी धुसी भी कहा जाता है, अपनी अनोखी विशेषता के लिए प्रसिद्ध है। स्थानीय मान्यता के अनुसार, इस चट्टान पर छोटे पत्थर से चोट करने पर झांझ जैसी आवाज सुनाई देती है। श्रद्धालु यहां मनोकामना मांगकर सिक्का चिपकाने का प्रयास भी करते हैं। स्थानीय विवरणों के अनुसार, बड़ेडोंगर में कभी 147 तालाब हुआ करते थे, लेकिन समय के साथ अतिक्रमण और उपेक्षा के कारण इनकी संख्या घटकर 80 से भी कम रह गई है। पहाड़ियों पर स्थित मंदिर, प्राचीन धार्मिक स्थल और प्राकृतिक सुंदरता इस क्षेत्र को धार्मिक पर्यटन के लिहाज से महत्वपूर्ण बनाते हैं।

खबर संक्षेप

मिनी स्टेडियम में दिव्यांग सहायता शिविर आज

कांकेर। भगवान महावीर दिव्यांग सहायता समिति, जयपुर एवं जिला प्रशासन कांकेर के संयुक्त सहयोग से आज 19 अक्टूबर सोमवार को कांकेर के मिनी स्टेडियम परिसर में दिव्यांग सहायता शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर के माध्यम से दिव्यांगजनों को आवश्यकतानुसार व्हीलचेयर एवं ट्राइसाइकिल प्रदान की जाएगी, ताकि उन्हें आवागमन में सुविधा मिल सके और वे दैनिक गतिविधियों में अधिक आत्मनिर्भर बन सकें। शिविर में शामिल होने के इच्छुक दिव्यांगजनों को आवश्यक दस्तावेजों के रूप में आधार कार्ड की छायाप्रति, मेडिकल प्रमाण पत्र की छायाप्रति तथा पासपोर्ट साइज फोटो साथ लाना होगा। जिन दिव्यांगजनों का अभी तक दिव्यांगता प्रमाण पत्र नहीं बना है, उनके लिए शिविर में जिला मेडिकल बोर्ड के माध्यम से अस्थायी प्रमाणीकरण की व्यवस्था भी की जाएगी, इससे पात्र दिव्यांगजनों को प्रमाणीकरण की प्रक्रिया में सुविधा मिलेगी। जिला प्रशासन द्वारा दिव्यांगजनों से अपील की गई है कि वे इस सहायता शिविर का लाभ उठाने के लिए निर्धारित तिथि को आवश्यक दस्तावेजों के साथ मिनी स्टेडियम परिसर कांकेर में उपस्थित हों।

बच्चों के चेहरों पर लाई खुशी, विधायक-कलेक्टर ने किया उत्साहवर्धन

बालक-बालिका गृह के बच्चों के लिए प्रीतिभोज का आयोजन, विधायक और कलेक्टर ने बांटे उपहार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा शनिवार की संध्या कोण्डागांव में बालक एवं बालिका गृह के बच्चों के लिए प्रीतिभोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रीतिभोज के बाद आयोजित विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों में बच्चों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह देखने को मिला।

विधायक और कलेक्टर ने बच्चों को बांटे उपहार

कार्यक्रम में बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोण्डागांव विधायक लता उसेंडी, कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना, नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल सहित अन्य अतिथि शामिल हुए। इस अवसर पर विधायक, कलेक्टर एवं अतिथियों ने बच्चों को उपहार भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया।

सेवा संकल्प अभियान के उद्देश्य पर डाला प्रकाश

विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्र के प्रति सेवा और संकल्प के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान के तहत विभिन्न क्षेत्रें में सेवा गतिविधियों का आयोजन किया गया। उन्होंने सेवा कार्यो के माध्यम से समाज के जरूरतमंद वर्गो तक सहयोग पहुंचाने के महत्व पर जोर दिया।



मेहनत और ईमानदारी से आगे बढ़ें बच्चे : लता उसेंडी

विधायक लता उसेंडी ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में जो भी कार्य करें, उसे पूरी मेहनत, लगन और ईमानदारी के साथ करें। अपनी प्रतिभा और उपलब्धियों से स्वयं के साथ परिवार, समाज और जिले का नाम रोशन करें। विधायक उसेंडी ने बच्चों को आश्वस्त किया कि शिक्षा, खेलकूद और अन्य क्षेत्रें में आगे बढ़ने के लिए किसी प्रकार की आवश्यकता होने पर तत्काल जानकारी दें। शासन–प्रशासन बच्चों के सवार्गीण विकास और उज्ज्वल भविष्य के लिए हरसंभव सहयोग प्रदान करने को तत्पर है।

ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम में मनोज जैन, सोनामणि पोयाम, महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी रेणु प्रकाश, वरिष्ठ खेल अधिकारी सुधा कुमार, जिला बाल संरक्षण अधिकारी नरेंद्र सोनी, मणि शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी–कर्मचारी उपस्थित रहे।

बच्चों की शिक्षा और देखभाल पर विशेष ध्यान : नरपति पटेल

नगर पालिका अध्यक्ष पटेल ने कहा कि बाल गृह के बच्चे विभिन्न क्षेत्रें में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने बच्चों की बेहतर देखभाल, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रतिभा विकास के लिए निरंतर प्रयास करने की आवश्यकता बताई, ताकि बच्चे अपनी क्षमता के अनुरूप सफलता हासिल कर सकें।

मनोरंजक गतिविधियों में बच्चों ने लिया हिस्सा

प्रीतिभोज के पश्चात बच्चों के लिए विभिन्न मनोरंजक गतिविधियां आयोजित की गईं। इनमें बालक एवं बालिका गृह के बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। अतिथियों से उपहार प्राप्त कर बच्चे प्रसन्न नजर आए। यह आयोजन बच्चों के लिए यादगार बन गया।

योगासन कार्यशाला 80 छात्रों ने किया कठिन आसनों का अभ्यास

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्गूकोंदल

ओलंपिक-2036 में पदक जीतने के लक्ष्य के साथ ग्रामीण क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने की दिशा में प्रयास तेज हो गए हैं। इसी कड़ी में कांकेर जिला योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष के मार्गदर्शन में आमागढ़ में विशेष योगासन कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें लगभग 80 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर विभिन्न कठिन योगासनों का अभ्यास किया। योगासन भारत एवं भारतीय विद्यालय खेल महासंघ की राष्ट्रीय स्तर की पदक विजेता खिलाड़ी अंजना आचला ने विद्यार्थियों को कुर्मासन, पूर्ण शलभासन, गर्भपिण्डासन, बद्ध परिवृत्त पार्श्वकोणासन, हस्त समकोणासन, वामदेवत्रिपुरासन और कैलाशासन सहित कई उन्नत आसनों का प्रदर्शन कर प्रशिक्षण दिया। उन्होंने आसनों की सही तकनीक, शरीर का संतुलन, उचित मुद्रा, नियमित अभ्यास तथा विपरीत आसनों के महत्व की जानकारी भी दी। कार्यक्रम की शुरुआत में शाला नायिका हर्षप्रिया गोटा ने अंजना आचला का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। पहली से दसवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने प्रशिक्षण में हिस्सा लिया। प्रारंभ में कठिन आसनों को देखकर बच्चों में झिझक थी, लेकिन प्रशिक्षिका के मार्गदर्शन में उन्होंने आत्मविश्वास के साथ अभ्यास किया। योगासन केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मानसिक शांति, आत्मानुशासन और स्वस्थ जीवनशैली का माध्यम है। उदे राम भुआर्य ने कहा कि योग से बच्चों में एकाग्रता, आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। समापन अवसर पर प्रभारी प्राचार्य एवं शाला प्रबंधन विकास समिति के अध्यक्ष दिनेश मेरिया ने अंजना आचला को प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया। विद्यार्थियों ने कार्यशाला को प्रेरणादायक बताते हुए आगामी योगासन प्रतियोगिताओं में भाग लेने की इच्छा जताई।



एकल विद्यालय के छात्रों ने मां दुर्गा दर्शन का लिया लाभ



हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्गूकोंदल

नवरात्रि के पावन अवसर पर एकल विद्यालय सोनादई एवं लोहत्तर के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न देवी मंदिरों में पहुंचकर माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया। संच अध्यक्ष विकास राजू नायक एवं संच प्रमुख मनोज बघेल के नेतृत्व और मार्गदर्शन में आयोजित इस धार्मिक यात्रा में विद्यार्थियों ने पल्लामाड़ी स्थित बंजारी मंदिर, बासला स्थित दंतेश्वरी मंदिर तथा दुर्गूकोंदल एवं संबलपुर के दुर्गा मंदिरों में पूजा-अर्चना की।

संच अध्यक्ष विकास राजू नायक ने बताया कि नवरात्रि का पर्व आस्था, संस्कृति और संस्कारों का प्रतीक है। विद्यार्थियों को देवी मंदिरों के दर्शन कराने का उद्देश्य उन्हें भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि बच्चों में अच्छे संस्कार, अनुशासन, नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी है। बचपन से ही बच्चों को अपनी संस्कृति और परंपराओं से परिचित कराना आवश्यक है, ताकि वे जिम्मेदार नागरिक बन सकें। धार्मिक यात्रा में आचार्य ममता चूरपाल एवं यामिनी दीवान के साथ पालक पंचराम दीवान, शकुंतला मांझी, शकुंतलता ठाकुर, खिलेन्द्री देहारी एवं महेंद्र गोयल सहित विद्यालय के छात्र-छात्राएं शामिल हुए। सभी ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर परिवार और क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। यात्रा के दौरान विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला। मंदिरों के दर्शन से बच्चों को धार्मिक स्थलों के महत्व और सांस्कृतिक विरासत को समझने का अवसर मिला। विकास राजू नायक ने आयोजन में सहयोग देने वाले आचार्यों एवं पालकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की

आरक्षण व जातिगत जनगणना की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंतागढ़

छत्तीसगढ़ सर्व पिछड़ा वर्ग समाज ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर अंतागढ़ विकासखंड इकाई के पदाधिकारियों ने सांसद प्रतिनिधि और विधायक प्रतिनिधि को ज्ञापन सौंपकर मांगों के निराकरण के लिए शीघ्र पहल करने का आग्रह किया।समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि छत्तीसगढ़ में अन्य पिछड़ा वर्ग की आबादी 52 प्रतिशत से अधिक है। इसके बावजूद त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों में समाज का प्रतिनिधित्व प्रभावित हो रहा है। वहीं, आगामी राष्ट्रीय जनगणना में जातिगत गणना के स्पष्ट प्रावधान नहीं होने से समाज में चिंता और आक्रोश है। ज्ञापन में छत्तीसगढ़ में अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गई। साथ ही राष्ट्रीय



जनगणना में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की तरह अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए भी पृथक कॉलम निर्धारित कर जातिगत जनगणना कराने की मांग रखी गई। समाज ने पांचवीं अनुसूची के अंतर्गत मिलने वाली मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा बस्तर संभाग में निवासरत अन्य पिछड़ा वर्ग को पेसा कानून के तहत स्वशासन का अधिकार देने की मांग भी की। प्रतिनिधियों का कहना है कि बस्तर में निवासरत पिछड़ा वर्ग समाज की संस्कृति, परंपराएं और रहन-सहन स्थानीय आदिवासी समाज से मिलते-जुलते हैं। ऐसे में उनकी संस्कृति, परंपरा और जमीन की रक्षा के लिए उचित प्रावधान किए जाने चाहिए। समाज के पदाधिकारियों ने जनप्रतिनिधियों से मांगों पर गंभीरतापूर्वक विचार कर उचित मंच पर आवाज उठाने और शीघ्र समाधान कराने का आग्रह किया। इस अवसर पर समाज के ब्लॉक, जिला एवं संभागीय पदाधिकारी तथा सदस्य उपस्थित रहे।

भाजपा मंडल की बैठक में सेवा संकल्प की समीक्षा की

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरर

भारतीय जनता पार्टी मंडल कोरर की मासिक बैठक रविवार 18 अक्टूबर को प्रदेश एवं जिला नेतृत्व के निर्देशानुसार आयोजित की गई। मंडल प्रभारी एवं जिला उपाध्यक्ष अशोक वालेचा तथा भाजपा जिला उपाध्यक्ष बृजेश सिंह चौहान के मार्गदर्शन में आयोजित बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष पीयूष कश्यप ने की। बैठक में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक संचालित सेवा संकल्प अभियान की प्रमुख गतिविधियों की समीक्षा की गई। अभियान के तहत किए गए कार्यों की जानकारी लेकर संगठन के आगामी कार्यक्रमों और पार्टी की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर चर्चा की गई। साथ ही संगठन को मजबूत बनाने, सेवा कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने और पार्टी के निर्देशानुसार आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने पर जोर दिया गया। बैठक में भाजपा जिला उपाध्यक्ष बृजेश सिंह चौहान, जिला मंत्री अनूप सिंह राठौर, मंडल महामंत्री जय शिवना एवं नरेंद्र शर्मा, जिला महिला मोर्चा महामंत्री जयना तारम, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष पार्वती साहू, मंडल उपाध्यक्ष चउत उयके एवं झाड़ू मंडावी, मंडल मंत्री रमेश हुपेंडी, मंडल कोषाध्यक्ष रोहित साहू, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष योगेश कोमरा तथा अनुसूचित जाति मोर्चा मंडल उपाध्यक्ष दानेश्वर बंजारे, राजेंद्र जोशी, मनोरम प्रजापति, सुखीराम दर्रो, शीत कुमार भुआर्य, अनुज सोलंकी, गुलशन परिहार, अशोक बघेल, रूपेंद्र बघेल, चंदन साहू, लोकेश्वर साहू, ईश्वर यादव सहित भाजपा के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। बैठक का संचालन मंडल महामंत्री जय शिवना ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन मंडल महामंत्री नरेंद्र शर्मा ने किया।



पेज 09 के शेष...

पैसेंजर ट्रेन सेवा ...

से जोड़ने की संभावनाएं मजबूत होंगी। रावघाट क्षेत्र भौगोलिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यहां रेल सुविधाओं का विस्तार होने से स्थानीय लोगों की आवाजाही, आसपास के क्षेत्रों से संपर्क तथा आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। बेहतर परिवहन सुविधा से लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, रोजगार और अन्य जरूरी कार्यों के लिए यात्रा करने में भी सहूलियत मिल सकती है।

नदी तट तक ...

बनने से आसपास के कई गांवों के लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और कांकेर जिला मुख्यालय पहुंचने के लिए यह मार्ग छोटा रास्ता साबित होगा। उन्होंने बताया कि पुल निर्माण की मांग कांकेर विधायक और मुख्यमंत्री के समक्ष भी रखी जा चुकी है। पुल नहीं होने से किसानों के साथ स्कूली बच्चों को भी परेशानी उठानी पड़ रही है।

कृषि ड्रोन से 10 ...

की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे खेती-किसानी में तकनीकी नवाचार को प्रोत्साहन मिलने के साथ अन्य किसानों को भी आधुनिक कृषि उपकरणों के उपयोग के लिए प्रेरणा मिल सकती है।

घर में चोरी की फर्जी ...

मिलने पर पुलिस ने उससे कड़ाई से पूछताछ की। पुलिस के पूछताछ में शिकायतकर्ता प्रदीपचन्द्र ने स्वयं ही घर से जेवरात चोरी करने की बात स्वीकार कर ली। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी के विरुद्ध पूर्व में भी वर्ष 2021 में भारतीय दंड संहिता और आईटी एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत एक प्रकरण दर्ज होने का उल्लेख है।

अंतागढ़ जिला निर्माण ...

रखते आए हैं। मांग पूरी नहीं होने के कारण क्षेत्रवासियों ने अब अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया है। धरने के 14 दिन पूरे होने के बाद भी आंदोलन जारी है। व्यापारी संघ और पिछड़ा वर्ग समाज के समर्थन से आंदोलनकारियों का उत्साह बढ़ा है।

डूमरपानी जलाशय में स्लो ...

को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में सकारात्मक परिणाम मिलने की उम्मीद है। भूमिपूजन कार्यक्रम के माध्यम से क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और जनहित से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प भी सामने आया। स्वच्छ पेयजल की बेहतर व्यवस्था ग्रामीणों के दैनिक जीवन को सुविधाजनक बनाने के साथ ही स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इस पहल से ग्राम झुमरपानी सहित आसपास के क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की उम्मीद है। निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद फिल्टर का नियमित संचालन, समय-समय पर रखरखाव और पानी की गुणवत्ता की जांच सुनिश्चित करना आवश्यक होगा, ताकि ग्रामीणों को लंबे समय तक स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल का लाभ मिल सके। जल संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता भी इस प्रयास को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि व अधिकारी उपस्थित रहे।

रास गरबा के लकी ...

परिणामों की घोषणा की। इसमें प्रथम पुरस्कार इलेक्ट्रिक स्कूटी (ईवी बाइक) पलक फोटानी ने जीती। द्वितीय पुरस्कार के रूप में फ्रिज वर्षा कंवर के नाम रहा, जिसके प्रायोजक कैप्टन विपुल साहू थे। तृतीय पुरस्कार वॉशिंग मशीन रूबी धुन्ने ने जीती। इस पुरस्कार के प्रायोजक भानुप्रतापपुर के जुगल किशोर गांधी थे। आयोजन समिति ने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए प्रायोजकों, सहयोगी संस्थाओं, सहयोगी भागीदारों और नगरवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया। समिति ने कहा कि सभी के सहयोग और सहभागिता से रास गरबा 2026 एक सफल एवं यादगार आयोजन बन सका। पांच दिनों तक चले इस आयोजन ने नगरवासियों को एक साथ आकर उत्सव मनाने का अवसर दिया।

बस्तरिया राज मोर्चा के गठन के साथ अलग बस्तर राज्य की मांग तेज



फरसगांव। ब्लॉक मुख्यालय फरसगांव स्थित गोंडवाना समाज भवन में 17 अक्टूबर को बस्तरिया राज मोर्चा की जिला स्तरीय महाबैठक आयोजित की गई। जिला अध्यक्ष ईश्वर लाल कोर्राम के नेतृत्व में आयोजित बैठक में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के पूर्व विधायक एवं राष्ट्रीय नेता मनीष कुंजाम शामिल हुए। उन्होंने बस्तर के आदिवासी एवं मूल निवासियों के हक-अधिकारों की रक्षा और बस्तर को अलग राज्य बनाने की मांग को लेकर एकजुट होकर संघर्ष करने का आह्वान किया। मनीष कुंजाम ने कहा कि बस्तर के हितों की रक्षा के लिए विभिन्न संगठनों से चर्चा और सुझाव के बाद बस्तरिया राज मोर्चा (बीआरएम) का गठन करने का निर्णय लिया गया है। संगठन जल, जंगल और जमीन के संरक्षण के साथ ही आदिवासी-मूल निवासियों पर हो रहे कथित उत्पीड़न, अत्याचार और शोषण के खिलाफ आवाज उठाएगा। उन्होंने कहा कि बस्तर की खनिज संपदा और लौह अयस्क पर यहां के लोगों का अधिकार है, लेकिन स्थानीय निवासियों को ही उनके संसाधनों से बेदखल किया जा रहा है। उन्होंने छत्तीसगढ़ की भौगोलिक स्थिति, जनसंख्या, खनिज संपदा और विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान का उल्लेख करते हुए बस्तर को अलग राज्य बनाने की आवश्यकता बताई।

27 प्रतिशत आरक्षण और उचित प्रतिनिधित्व को लेकर विधायक नीलकंठ टेकाम को सौंपा ज्ञापन

केशकाल। छत्तीसगढ़ सर्व पिछड़ा वर्ग समाज, बस्तर संभाग द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समाज की विभिन्न मांगों को लेकर केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम को ज्ञापन सौंपा गया। समाज के प्रतिनिधियों ने ज्ञापन के माध्यम से पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण का लाभ दिलाने, पृथक जनगणना में ओबीसी वर्ग की गणना सुनिश्चित करने तथा समाज को विभिन्न क्षेत्रों में उचित प्रतिनिधित्व प्रदान करने सहित कई महत्वपूर्ण मांगें रखीं। इस दौरान समाज के प्रतिनिधियों ने पिछड़ा वर्ग के अधिकारों, सामाजिक न्याय और समुचित भागीदारी से जुड़े विषयों पर ध्यान आकर्षित कराया।

27 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की मांग : ज्ञापन में पिछड़ा वर्ग के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की मांग प्रमुखता से शामिल रही। समाज का कहना है कि पिछड़ा वर्ग को शिक्षा, रोजगार और अन्य अवसरों में उचित भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आरक्षण से संबंधित मांगों पर गंभीरता से विचार किया जाना आवश्यक है। समाज के प्रतिनिधियों ने इस विषय को पिछड़ा वर्ग के अधिकारों और सामाजिक समानता से जोड़ते हुए मांगों को शासन के समक्ष प्रभावी ढंग से रखने की आवश्यकता बताई।

पृथक जनगणना में पिछड़ा वर्ग की गणना पर जोर : समाज ने पृथक जनगणना में अन्य पिछड़ा वर्ग की जनसंख्या की गणना सुनिश्चित करने की मांग भी उठाई। प्रतिनिधियों के अनुसार, पिछड़ा वर्ग की वास्तविक जनसंख्या से संबंधित आंकड़े उपलब्ध होने पर समाज की सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक स्थिति को समझने तथा उसके अनुरूप योजनाओं और नीतियों के निर्माण में सहायता मिल सकती है।

समाज को उचित प्रतिनिधित्व देने की मांग : ज्ञापन में पिछड़ा वर्ग को विभिन्न क्षेत्रों में उचित प्रतिनिधित्व प्रदान करने की मांग भी शामिल रही। समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रत्येक वर्ग की भागीदारी महत्वपूर्ण है। पिछड़ा वर्ग को भी अपनी जनसंख्या, सामाजिक स्थिति और आवश्यकताओं के अनुरूप उचित अवसर एवं प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए।



विधायक ने विधानसभा में मांगें उठाने का दिया आश्वासन

ज्ञापन प्राप्त करने के बाद केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम ने समाज की मांगों को जायज बताते हुए इन्हें विधानसभा स्तर पर उठाने की बात कही। विधायक के इस आश्वासन से समाज के प्रतिनिधियों को उम्मीद है कि पिछड़ा वर्ग से जुड़े इन महत्वपूर्ण विषयों को उचित मंच पर रखा जाएगा और मांगों पर आगे की कार्रवाई के लिए प्रयास किए जाएंगे। समाज के प्रतिनिधियों ने ज्ञापन के माध्यम से यह अपेक्षा जताई कि पिछड़ा वर्ग से संबंधित मांगों पर शासन स्तर पर गंभीरता से विचार किया जाएगा, ताकि समाज को उसके अधिकारों के अनुरूप अवसर और प्रतिनिधित्व प्राप्त हो सके।

खबर संक्षेप

बाढ़ पीड़ितों व किसानों को राहत और कर्ज माफ करे सरकार

लोहंडीगुड़ा। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष ललित पांडे ने प्रेस



विज्ञप्ति जारी कर प्रदेश सरकार से बाढ़ पीड़ितों और किसानों को तत्काल आर्थिक राहत देने की मांग की है। पांडे ने बताया कि इंद्रावती नदी की बाढ़ से क्षेत्र में मवेशी बह गए, मकान ढह गए और हजारों हेक्टेयर फसल बर्बाद हो गई है।

उन्होंने शासन से क्षतिग्रस्त फसलों का तत्काल निष्पक्ष सर्वे कराकर मुआवजा देने, बाढ़ पीड़ित किसानों का पूरा कर्ज माफ करने और धान खरीदी 15 नवंबर के बजाय 1 नवंबर से शुरू करने की मांग की। पांडे ने कहा कि पटवारियों की हड़ताल के कारण सर्वे और गिरदावली का काम ठप पड़ा है, जिससे प्रभावितों को परेशानी हो रही है। मांगें पूरी न होने पर कांग्रेस ने सड़क पर उतरकर आंदोलन करने की चेतावनी दी है।

बाढ़ पीड़ित किसानों को 65100 प्रति एकड़ मुआवजा देने की मांग



जगदलपुर। भारतीय किसान यूनियन टिकैत जिला बस्तर के नेतृत्व में बाढ़ से प्रभावित किसानों की समस्याओं एवं फसल नुकसान के उचित मुआवजे की मांग को लेकर प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव सिंह के कार्यालय में ज्ञापन सौंपकर किसानों की पीड़ा से अवगत कराया। संगठन ने मांग की कि बाढ़ के कारण जिन किसानों की फसलें नष्ट हुई हैं, उन्हें तत्काल राहत प्रदान करने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। यूनियन ने प्रस्ताव रखा कि किसानों को प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान के मान एवं 3,100 प्रति क्विंटल की दर के आधार पर 65,100 प्रति एकड़ मुआवजा देने का प्रावधान किया जाए। संगठन ने कहा कि फसल बर्बाद होने से किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। ऐसे समय में किसानों को राहत देना शासन-प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए। इस अवसर पर संभागीय अध्यक्ष शिवा स्वर्णकार, जिला अध्यक्ष रमेश गोयल, जिला उपाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह, मानसिंह नेताम, संगठन मंत्री जगन्नाथ देवांगन, जिला प्रवक्ता कृष्ण कुमार पांडे, तोकापाल ब्लॉक अध्यक्ष बबलू बघेल सहित अन्य किसान उपस्थित रहे।

निधन

संदीप पांडे

जगदलपुर। शिव मंदिर वार्ड निवासी संदीप पांडे का लंबी बीमारी के उपचार के बाद कल शाम निधन हो गया। वे लोक निर्माण विभाग के विद्युत यांत्रिकी संभाग में ठेकेदार के रूप में कार्यरत थे। वे आबकारी विभाग के निरीक्षक शैलेश पांडे के भाई एवं पत्रकार सुनील पांडे के चचेरे बड़े भाई थे।उनकी अंतिम यात्रा आज उनके निवास से मुक्तिधाम के लिए निकली। वे भरापूरा परिवार छोड़ गए।

जिसे बुलाया गया था बतौर प्रशिक्षक, वो बन बैठी मालकिन

मुफ्त की बिजली, मुफ्त का भवन और करोड़ों की आमदनी, स्वसहायता समूहों के हिस्से आई फूटी कौड़ी

लीलाधर राठी ⏭ सुकमा

सुकमा जिले का सी मार्ट इन दिनों फिर से विवादो में है। 18 मई 2022 को प्रारंभ हुए इस संस्था की सबसे गंभीर बात यह रही कि जिस महिला को 6 माह हेतु बतौर प्रशिक्षक नियुक्त किया गया था वो आज दिनांक तक मालकिन बन बैठी है। खास बात यह है कि जिपं के अग्रिम 15 लाख व स्थापना हेतु 58 लाख खर्च करने के बाद भी स्थानीय महिलाओं को कितना लाभ मिला ये सबसे अत्म जांच का मुद्दा है। भुपेश सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ में महिला स्वसहायता समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने और महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से शुरू की गई सी-मार्ट योजना सुकमा जिले में अपने मूल उद्देश्यों से भटकती नजर आ रही है। जिस व्यवस्था के माध्यम से महिलाओं को प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाने की परिकल्पना की गई थी, उसी के संचालन को लेकर अब कई सवाल उठने लगे हैं। आरोप है कि स्वसहायता समूहों को अपेक्षित लाभ नहीं मिला, जबकि सी-मार्ट के संचालन, वेतन भुगतान और प्रशासनिक सुविधाओं पर लगातार मेहरबानी दिखाई गई।

- भुपेश की सी-मार्ट अपने मूल उद्देश्यों से भटकी

हरिभूमि लगातार

महिला समूहों को वास्तविक लाभ मिलने पर संशय

सी-मार्ट की स्थापना का उद्देश्य स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराना और महिला स्वसहायता समूहों की आय बढ़ाना था। इसके तहत प्रशिक्षण और क्षमता विकास के माध्यम से महिलाओं को कारोबार की बारीकियां सिखाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की बात कही गई थी। लेकिन सुकमा में इस व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं कि प्रशिक्षण की निर्धारित अवधि के बाद भी संचालन की जिम्मेदारी किस तरह निभाई गई और इसका वास्तविक लाभ कितने स्वसहायता समूहों तक पहुंचा? आरोप है कि जिस व्यवस्था को महिलाओं को आगे बढ़ाने का माध्यम बनना था, उसमें संचालन से जुड़ी महिला की भूमिका और सुविधाएं ही प्रमुख हो गईं। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि सी-मार्ट के संचालन से अब तक कितने समूहों की आय बढ़ी, कितनी महिलाओं को नियमित रोजगार मिला और स्थानीय उत्पादों की बिक्री से कितना आर्थिक लाभ हुआ।

लाखों का बकाया और करोड़ों के कारोबार पर सवाल



फरवरी 2024 तक भुगतान की पुष्टि

इस पूरे मामले में जिला पंचायत सुकमा के सूत्रो ने बताया कि सी मार्ट में काबिज महिला को पर्वू में 32 हजार व कुछ माह बाद 42 हजार रूपये प्रतिमाह भुगतान फरवरी 2024 तक किया गया था। 6 माह के लिए सी मार्ट में प्रशिक्षक के तौर पर आई महिला को दिए गए भुगतान की अवधि, राशि, स्वीकृति प्रक्रिया और संबंधित मद की जानकारी सामने लाने की आवश्यकता और बढ़ गई है। यह भी स्पष्ट किया जाना चाहिए कि फरवरी 2024 तक लगभग 10 लाख रूपये का भुगतान किस मद से किया गया।

भाजपा ने भी जताया था विरोध

सी-मार्ट की व्यवस्था और उसके संचालन को लेकर राजनीतिक सवाल भी नए नहीं हैं। कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में भाजपा की ओर से 19 दिसंबर 2022 में भी इस व्यवस्था पर विरोध जताए जाने की बात सामने आई थी। ऐसे में अब सवाल यह है कि जिन विषयों पर पहले आपत्तियां उठाई गई थीं, सत्ता परिवर्तन के बाद उनकी समीक्षा क्यों नहीं हुई? यदि संचालन में अनियमितताओं या उद्देश्यों से विचलन की शिकायतें थीं, तो जिम्मेदार अधिकारियों ने समय रहते जांच और सुधार की पहल क्यों नहीं की?

मुफ्त भवन और बिजली, फिर वेतन भुगतान पर सवाल

सी-मार्ट को संचालन के लिए भवन और बिजली जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने की बात सामने आई है। इसके बावजूद संचालन से जुड़ी बिलासपुर की महिला के वेतन का भुगतान जिला विकास से संबंधित राशि और कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) मद से 15 लाख रूपये किए जाने को लेकर सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि पूर्व कलेक्टर के निर्देश पर उक्त महिला को वेतन पहले 35 हजार रुपये निर्धारित था, जिसे बढ़ाकर 45 हजार रुपये कर दिया गया। प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वेतन किस आदेश के तहत निर्धारित किया गया, उसमें वृद्धि की स्वीकृति किसने दी और भुगतान के लिए सीएसआर मद का उपयोग किन नियमों के अंतर्गत किया गया।

प्रशासनिक मेहरबानी या योजना के उद्देश्य से समझौता?

सी-मार्ट को मुफ्त का भवन, बिजली और वेतन जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने के पीछे प्रशासन की मंशा महिला समूहों को सशक्त बनाने की रही होगी, लेकिन योजना की सफलता का आंकलन सुविधाओं के आधार पर नहीं, बल्कि उससे लाभान्वित महिलाओं की संख्या और उनकी बढ़ी हुई आय से होना चाहिए। यदि स्वसहायता समूहों को अपेक्षित लाभ नहीं मिला, तो करोड़ों रुपये के कारोबार और खर्च के दावों के बीच उनकी वास्तविक हिस्सेदारी का हिसाब सामने आना चाहिए। अब जरूरत है कि जिला प्रशासन सी-मार्ट की स्थापना से अब तक के वित्तीय अभिलेख, वेतन निर्धारण और वृद्धि के आदेश, सीएसआर मद से हुए भुगतान, भवन-बिजली पर खर्च तथा स्वसहायता समूहों को मिले लाभ का सार्वजनिक परीक्षण कराए।



विधायक मंडावी ने गांवों में मनाया बतकम्मा पर्व, दुर्गा पंडालों में टेका माथा

मद्देड़। बीजापुर जिले के भोपालपटनम तहसील क्षेत्र के गांवों में पारंपरिक बतकम्मा पर्व की धूम मची हुई है। इस अवसर पर विधायक विक्रम शाह मंडावी गांवों में पहुंचकर माता-बहनों के साथ त्योहार की खुशियों में शामिल हो रहे हैं। वे देर रात तक दूर-दराज के गांवों का दौरा कर मां गौरी की पूजा-अर्चना कर रहे हैं।

बतकम्मा उत्सव के साथ-साथ विधायक विक्रम मंडावी जिले के विभिन्न दुर्गा मंदिरों और पूजा पंडालों में भी लगातार पहुंच रहे हैं। उन्होंने नवरात्रि की बेला में मां दुर्गा के दर्शन कर आशीर्वाद लिया तथा पंडालों में मौजूद श्रद्धालुओं, युवाओं और बुजुर्गों से भेंट कर उन्हें पर्व की बधाइयां दीं। क्षेत्रवासियों का कहना है कि विधायक हर परिस्थिति में जनता के कंधे से कंधा मिलाकर चलते हैं। संकट या त्योहार के समय गांवों में उनकी मौजूदगी से ग्रामीणों में खासा उत्साह है। जनता के प्रति उनकी सादगी और समर्पण की क्षेत्र में सराहना हो रही है।

समान नागरिक संहिता पर चर्चा, तीन जिलों के प्रतिनिधियों ने दिए सुझाव



हरिभूमि न्यूज ⏭ दंतेवाड़ा

समान नागरिक संहिता का प्रारूप तैयार करने के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति ने संयुक्त जिला कार्यालय में बैठक की। इसमें दंतेवाड़ा, सुकमा और बीजापुर जिले के सामाजिक-धार्मिक संगठनों, समाज प्रमुखों और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से विस्तृत चर्चा की गई।

समिति के अध्यक्ष सेवानिवृत्त आईएएस एमके राउत, सदस्य मोहन पवार व ज्योति रानी सिंह की मौजूदगी में यह जनपरामर्श हुआ। बस्तर कमिश्नर डोमन सिंह, कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव और जिला पंचायत सीईओ एम. भार्गव की उपस्थिति में समिति ने विवाह, तलाक, भरण-पोषण, उत्तराधिकार और लिव-इन संबंधों जैसे विषयों पर प्रतिनिधियों से सुझाव मांगे, जिस पर स्थानीय नागरिकों ने अपने विचार रखे।

बाढ़ पीड़ितों के बैंक ऋण माफ करने की मांग, विधायक को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोंड



ग्राम पंचायत टलनार की महिला समूहों की सदस्यों ने जगदलपुर स्थित बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल के निवास पहुंचकर बाढ़ से उत्पन्न आर्थिक संकट को लेकर ज्ञापन सौंपा। महिलाओं ने प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान को देखते हुए समूहों पर बकाया बैंक ऋण एवं किस्तों में राहत प्रदान करने तथा ऋण माफी की मांग की।

महिला समूहों ने बताया कि इस वर्ष बाढ़ एवं अत्यधिक बारिश के कारण क्षेत्र में भारी नुकसान हुआ है। कई परिवारों के मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं और खेतों में खड़ी फसल पूरी तरह बर्बाद होने से ग्रामीणों की आय का प्रमुख स्रोत छिन गया है। ऐसी परिस्थितियों में बैंक ऋण की नियमित किस्त जमा करना और ब्याज का भुगतान करना उनके लिए अत्यंत कठिन हो गया है।

विधायक ने दिया कार्रवाई का भरोसा

महिलाओं ने विधायक से आग्रह किया कि वे बाढ़ प्रभावित समूहों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए शासन स्तर पर ऋण माफी या किस्तों में राहत दिलाने के लिए पहल करें। विधायक लखेश्वर बघेल ने प्रभावित महिलाओं की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनकी मांगों को संबंधित स्तर तक पहुंचाने एवं आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

तेंदूपत्ता के विक्रय मूल्य में उछाल संग्राहकों को जल्द मिलेगा बोनस



हरिभूमि न्यूज ⏭ बीजापुर

जिले में नक्सलवाद खत्म होने के बाद न केवल तेंदूपत्ता का संग्रहण बढ़ा है, बल्कि इसके विक्रय मूल्य में भी ऐतिहासिक सुधार दर्ज किया गया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 में संग्रहित तेंदूपत्ता का औसत विक्रय मूल्य जहां महज 550 रुपये प्रति लॉट था, वहीं वर्ष 2026 में यह रिकॉर्ड बढ़ोतरी के साथ औसतन 8,150 रुपये प्रति लॉट तक पहुंच गया है।

विक्रय मूल्य में इस अप्रत्याशित वृद्धि के चलते वर्ष 2026 में तेंदूपत्ता संग्रहण करने वाले संग्राहकों को जल्द ही भारी-भरकम बोनस राशि का लाभ मिलने की पूरी संभावना है। इससे वनांचल के आदिवासी और वनवासी परिवारों की मौसमी आय में अतिरिक्त वृद्धि होगी, जो सीधे तौर पर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को और ज्यादा मजबूती प्रदान करेगी। जिले में तेंदूपत्ता संग्रहण की यह ऐतिहासिक सफलता सिर्फ एक आंकड़ा नहीं, बल्कि क्षेत्र में लौट रही शांति और विकास की नई तस्वीर है। कभी नक्सलवाद के खौफ से प्रभावित रहने वाले सुदूर क्षेत्रों के ग्रामीण अब आजीविका गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं। स्थानीय स्तर पर सुरक्षित रोजगार मिलने से हजारों वनवासी परिवारों के जीवन में आर्थिक सुरक्षा, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता आ रही है।

सात विशेष थीम पर आधारित पर्यटन स्थल बढ़ा रहा जिले की शोभा

हरिभूमि न्यूज ⏭ दंतेवाड़ा

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत वनमंडल द्वारा आंवराभाटा स्थित वन मंदिर पर्यटन स्थल में आयोजित

- वन मंदिर आंवराभाटा में पांच दिवसीय योग एवं ध्यान शिविर

पांच दिवसीय 'इंटीग्रेटेड योग एवं ध्यान शिविर' का सफलतापूर्वक समापन हो गया।

शिविर में युवाओं, महिलाओं सहित विभिन्न आयु वर्ग के लोगों ने भारी उत्साह के साथ भाग लिया। शिविर के दौरान योग विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों को योगासन, भ्रामरी प्राणायाम, श्वास नियंत्रण एवं ध्यान का गहन अभ्यास कराया गया।

लगभग 18 एकड़ क्षेत्र में विकसित वन मंदिर अपनी प्राकृतिक सुंदरता, आध्यात्मिक वातावरण और अनूठी विशेषताओं के कारण पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। इस पर्यटन स्थल पर आरोग्य वन, सप्तऋषि वन, पंचवटी, राशि वन, नक्षत्र वन, राग गार्डन और नवग्रह वन के रूप में सात विशेष थीम विकसित की गई हैं।



सप्तऋषि वन में सात ऋषियों से जुड़ी परंपरा, पंचवटी में पांच वट वृक्षों तथा नवग्रह वन में नौ ग्रहों से संबंधित विशेषताओं को दर्शाया गया है। वहीं, नक्षत्र वन में विभिन्न नक्षत्रों से संबंधित पौधे लगाए गए हैं। ये सभी वन क्षेत्र प्रकृति, भारतीय संस्कृति, योग, ध्यान एवं औषधीय वनस्पतियों के महत्व को प्रदर्शित करते हैं। वन मंदिर अपनी विशिष्ट पहचान के साथ जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने तथा लोगों को प्रकृति और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करने का महत्वपूर्ण केंद्र बन रहा है।



छात्रों ने सीखी पंचायत की कार्यप्रणाली

हरिभूमि न्यूज ⏭ गीदम

पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय बारसूर में विद्यार्थियों को पंचायती राज व्यवस्था से परिचित कराने के लिए आदर्श युवा ग्राम सभा का मंचन किया गया। भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में छात्रों ने सरपंच, सचिव और ग्रामीणों की भूमिकाएं निभाकर पंचायत की कार्यप्रणाली को व्यवहारिक रूप से समझा। मंचन में सरपंच की भूमिका सौम्या नेताम ने निभाई। वहीं सिद्धार्थ यादव सचिव, शशांक वार्ड मेंबर, मंजू यादव आशा कार्यकर्ता, कोसाराम किसान प्रतिनिधि, हेतल ठाकुर प्रधान पाठिका, ऐजल मरकाम आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, तन्मय युवा प्रतिनिधि, खुशबू पटेल एनजीओ कार्यकर्ता और प्रज्ञा सोनी रोजगार सहायक की भूमिका में रहे। कार्यक्रम में रामबचन कुमार, रविन्द्र नारायण, मंगेश्वरी, रविंद्र गौतम, नीलेश कोसरिया और केशव सिंह सहित अन्य शिक्षकों का योगदान रहा। मंच संचालन अमित कुमार ने किया।

बारिश नहीं होने से पौधों पर जमा डस्ट पार्टिकल्स साफ नहीं हुआ

बाढ़ के बाद बारिश नहीं होने से खरीफ फसलों को ज्यादा नुकसान

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोशलनार

सितंबर के अंतिम सप्ताह में बाढ़ के बाद बारिश नहीं होने से खरीफ फसलों को ज्यादा नुक्सान होता हुआ नजर आ रहा है। नदी किनारे वाली उच्चहन भूमि और खेतों में धान सहित अन्य अनाज वर्गीय फसल की हरियाली गायब है।

धान के लगभग 80फीसदी पौधे झुलसे हुए हैं। भैरमगढ़ ब्लाक के इंद्रावती और उसके सहायक नदी के किनारे वाली खेतों में आज भी बाढ़ की तबाही का मंजर साफ नजर आ रहा है। तटीय इलाका वाले कोशलनार, मंगनार नेलसनार, सतवा पांडे मुर्गा, बांगोली आदि गांव के सैकड़ों हेक्टेयर धान की फसल खराब हो गई है।इन गांवों के किसान फ़सल के नुक्सान को लेकर चिंतित नजर आ रहे हैं। बाढ़ का पानी उतरने के बाद भी हालात जस के तस बने हुए हैं।



धान के पौधों में धूल और मटमैला परत जम गया है। यह स्थिति खतरनाक है क्योंकि इससे पौधों को जल्द रिकवर होने में अड़चन आती है। बाढ़ के बाद बारिश नहीं होने से पौधों पर जमा डस्ट पार्टिकल्स साफ नहीं हुआ और हालात बद से बद्तर होता जा रहा है। पांडे मुर्गा निवासी शंकर,लक्ष्मण और सुशीला ने बताया कि नेलसनार सतवा पांडे मुर्गा बांगोली आदि नदी किनारे की खेतों में बाढ़ का पानी लगातार 4 दिनों तक जलमग्न रहा।

इससे धान की फसल को बड़े पैमाने पर नुक्सान हुआ है। बाढ़ के बाद बारिश हुई होती तो कुछ हद तक नुक्सान कम होता। लेकिन लगातार चिलचिलाती धूप के कारण पौधे अनुकूल वातावरण के अभाव में नष्ट हो गए। सुशीला ने बताया कि नदी किनारे की गभार भूमि में प्रतिवर्ष 20 से 25 क्विंटल तक धान का उत्पादन होता था। इस वर्ष बाढ़ के कारण 2 क्विंटल धान भी मिलने की उम्मीद नहीं है। उन्होंने कहा कि साल भर बच्चों का भरण पोषण कैसे करें,इस बात चिंता सताए जा रही है। पांडे मुर्गा के किसानों ने कहा कि इलाके के ज्यादातर किसानों की जीविका खेती पर निर्भर है। इसलिए शासन -- प्रशासन से फसल क्षति का सही आंकलन कर मुआवजा की अपेक्षा है।



खबर संक्षेप



पतंजलि समिति में निरंजन बने मुख्य योग शिक्षक

कांकेर। हरिद्वार स्थित पतंजलि योगपीठ समिति द्वारा आयोजित मुख्य योग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर में कांकेर के निरंजन सिंह ठाकुर ने प्रशिक्षण प्राप्त कर मुख्य योग शिक्षक बनने की उपलब्धि हासिल की। स्वामी रामदेव के सानिध्य एवं आचार्य बालकृष्ण के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में देशभर के लगभग 700 योग साधकों ने भाग लिया, जिनमें छत्तीसगढ़ के 123 प्रतिभागी शामिल थे।

युवक की मौत मर्ग पंजीकृत

कांकेर। कोरर थानांतर्गत ग्राम मयाना निवासी 45 वर्षीय भक्त प्रहलाद दुग्गा पिता स्व. सगराम का मौत होने पर थाना कोरर में मर्ग कायम किया गया। थाना भानुप्रतापपुर से बिना नंबरी मर्ग डायरी थाना कोरर लाने पर असल नंबरी मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया।

फांसी लगाकर दी जान, कारण अज्ञात

कांकेर। पखांजुर थानांतर्गत सुभाषपल्ली पखांजुर निवासी 32 वर्षीय कृष्णा हालदार पिता स्व. दुलाल हालदार ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। मृतक के बड़े भाई ने पुलिस को बताया कि मृतक ने 16 अक्टूबर को अज्ञात कारणों के चलते घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया।

कन्हारपुरी देव दशहरा में मुख्यमंत्री होंगे शामिल

कांकेर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय 19 अक्टूबर को कांकेर विकासखंड के ग्राम कन्हारपुरी में आयोजित देव



दशहरा कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस दौरान वे जिले में कुल 228 करोड़ 58 लाख रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण करेंगे। इनमें 200 करोड़ 51 लाख रुपये के 8 कार्यों का भूमिपूजन तथा 28 करोड़ 7 लाख रुपये के 14 कार्यों का लोकार्पण शामिल है। इन कार्यों में पुल-पुलिया निर्माण, सड़क उन्नयन, आदिवासी कन्या छात्रावास और विभिन्न गांवों की नल-जल योजनाएं प्रमुख हैं।

सोनादई में आज से दो दिवसीय रामलीला

दुर्गूकोंदल। विकासखंड दुर्गूकोंदल के आश्रित ग्राम सोनादई में 19 एवं 20 अक्टूबर को दो दिवसीय रामलीला का मंचन होगा। 19 अक्टूबर की रात्रि देव दशहरा आयोजित किया जाएगा, जिसमें 360 गांवों के गायता, पटेल एवं मांझी ग्रामीण शामिल होंगे। प्रथम दिवस भगवान शिव-पार्वती विवाह और दूसरे दिन 20 अक्टूबर को भगवान श्रीराम द्वारा रावण वध की लीला प्रस्तुत की जाएगी। आयोजन के माध्यम से धार्मिक आस्था, धर्म की विजय और क्षेत्र की पारंपरिक लोकसंस्कृति को संरक्षित करने का प्रयास किया जाएगा।

जाति प्रमाण पत्र निर्माण में नियमों का कड़ाई से हो पालन: गांडा समाज

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्गूकोंदल

मूल छत्तीसगढ़िया सर्व गांडा समाज ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के जाति प्रमाण पत्र जारी करने में निर्धारित नियमों, संवैधानिक प्रावधानों और शासन के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने की मांग की है। समाज ने स्थानीय पात्र नागरिकों के वैधानिक अधिकारों की रक्षा करते हुए प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखने पर जोर दिया है। समाज के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप कुलदीप, युवा प्रदेश अध्यक्ष अर्जित कुलदीप एवं महिला प्रदेश अध्यक्ष गोदावरी करायत ने कहा कि जाति प्रमाण पत्र महत्वपूर्ण शासकीय दस्तावेज है। इसके आधार पर पात्र नागरिकों को शिक्षा, रोजगार, आरक्षण और विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ मिलता है। इसलिए प्रमाण पत्र जारी करते समय प्रत्येक आवेदन की जांच निर्धारित नियमों के अनुरूप की जानी चाहिए। समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि जाति प्रमाण पत्र जारी करने में पुराने राजस्व अभिलेखों, मिसल रिकॉर्ड और अन्य संबंधित दस्तावेजों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वर्ष 1950 अथवा उससे पूर्व के अभिलेखों से संबंधित दस्तावेज उपलब्ध नहीं होने पर आवेदकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। पदाधिकारियों ने कहा कि निर्धारित कट-ऑफ तिथि और पात्रता संबंधी प्रावधानों के अनुसार ही प्रमाण पत्र जारी किए जाने चाहिए।

छात्रों को लाभ से वंचित न होना पड़े



समुचित परीक्षण जरूरी

ऐसी स्थिति में लागू नियमों के अनुसार दस्तावेजों का सत्यापन कर प्रत्येक प्रकरण की पात्रता का समुचित परीक्षण किया जाना चाहिए, ताकि वास्तविक पात्र आवेदकों को अनावश्यक परेशानी न हो। समाज ने अन्य राज्यों से छत्तीसगढ़ आकर निवास करने वाले अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के नागरिकों के जाति प्रमाण पत्र संबंधी मामलों में भी संवैधानिक प्रावधानों और शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप निर्णय लेने की मांग की।

पानावार-कोरेनार में दुर्गा पूजा और अन्य त्योहारों की शुभकामनाओं के लिए लगाए गए होर्डिंग्स पर सियासी हलचल

निष्कासन के बाद भी कांग्रेस के हाथ छाप व नेताओं की तस्वीरों वाले होर्डिंग्स चर्चा में

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

राजनीति में कभी-कभी एक होर्डिंग भी कई सवाल खड़े कर देता है। पार्टी से निष्कासन के बाद भी यदि किसी नेता के नाम और तस्वीर के साथ उसी पार्टी का चुनाव चिह्न तथा प्रमुख नेताओं की तस्वीरें सार्वजनिक रूप से नजर आएं, तो राजनीतिक चर्चाएं होना स्वाभाविक है। पखांजुर क्षेत्र के पानावार और कोरेनार में पूर्व विधायक अनूप नाग के नाम से लगाए गए होर्डिंग्स इन दिनों इसी वजह से चर्चा में हैं। एक ओर अनूप नाग को कांग्रेस से निष्कासित किए जाने के बावजूद इन होर्डिंग्स में कांग्रेस का हाथ छाप चुनाव चिह्न दिखाई दे रहा है, वहीं दूसरी ओर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ने मामले में पुलिस से शिकायत कराने के निर्देश दिए हैं। ऐसे में यह मामला स्थानीय स्तर पर राजनीतिक चर्चा का विषय बन गया है। जानकारी के अनुसार पानावार और कोरेनार में लगाए गए होर्डिंग्स में पूर्व विधायक अनूप नाग की तस्वीर के साथ कांग्रेस का हाथ छाप चुनाव चिह्न और पार्टी के कई प्रमुख नेताओं की तस्वीरें प्रदर्शित की गई हैं। होर्डिंग्स पर बंगाली भाषा में नवरात्रि,



दुर्गा पूजा, लक्ष्मी पूजा और काली पूजा की शुभकामनाएं दी गई हैं। साथ ही 'सभी का हृदय से स्वागत एवं अभिनंदन' का संदेश भी लिखा गया है। होर्डिंग्स के नीचे अनूप नाग का परिचय 'पूर्व विधायक, अंतागढ़' के रूप में दिया गया है।

धार्मिक त्योहारों की शुभकामनाओं के लिए लगाए गए इन होर्डिंग्स में कांग्रेस के प्रतीक और नेताओं की तस्वीरों की मौजूदगी ने लोगों का ध्यान खींचा है। हालांकि, होर्डिंग्स पर पार्टी का चुनाव चिह्न और नेताओं की तस्वीरें होने मात्र से कांग्रेस संगठन की आधिकारिक सहमति या समर्थन की पुष्टि नहीं होती।

मैं मन और तन से कांग्रेसी हूं

इस मामले में पूर्व विधायक अनूप नाग का कहना है कि विधानसभा चुनाव में टिकट नहीं मिलने के बाद उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़ा था, जिसके चलते पार्टी ने उन्हें निष्कासित कर दिया था। उन्होंने बताया कि वह अपना माफीनामा पार्टी को सौंप चुके हैं और उन्हें विश्वास है कि उनका निष्कासन जल्द रद्द हो जाएगा। उन्होंने कहा कि उनकी कांग्रेस के प्रति आस्था बनी हुई है और वह मन तथा तन से कांग्रेसी हैं।

पुलिस को शिकायत करने दिया निर्देश

जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बसंत यादव ने बताया कि उनके पास भी संबंधित होर्डिंग्स की तस्वीरें आई हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने संबंधित क्षेत्र के कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष को पुलिस में शिकायत करने के लिए कहा है। इस मामले को पार्टी हाईकमान के संज्ञान में भी लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि होर्डिंग्स नहीं हटाए जाते हैं, तो हाईकमान से मिलने वाले निर्देशों के अनुरूप आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गौ सम्मान अभियान की तैयारी तेज, दुर्गूकोंदल में हुई बैठक



हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्गूकोंदल

आगामी 17 दिसंबर को रायपुर में प्रस्तावित गौ सम्मान आह्वान अभियान को सफल बनाने और गौ-संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विश्राम भवन दुर्गूकोंदल में बैठक एवं जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। राजस्थान से पहुंचे संत भरत महाराज ने गौ-संरक्षण और संवर्धन का संदेश देते हुए लोगों से अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की।संत भरत महाराज ने कहा कि गौमाता भारतीय संस्कृति और समृद्धि का महत्वपूर्ण आधार हैं। उन्होंने आह्वान किया कि प्रस्तावित अभियान को सफल बनाने के लिए गांव-गांव तक संदेश पहुंचाया जाए और अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ा जाए। बैठक में निर्णय लिया गया कि छत्तीसगढ़ की प्रत्येक ग्राम पंचायत में 2100 हस्ताक्षर जुटाने का अभियान चलाया जाएगा। आयोजकों के अनुसार, यह हस्ताक्षर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपने की व्यापक मुहिम का हिस्सा होंगे। इसके साथ ही 17 दिसंबर को प्रत्येक ग्राम पंचायत से 50 लोगों के अपने खर्च पर राजधानी रायपुर पहुंचने और सामूहिक संकीर्तन में शामिल होने का लक्ष्य रखा गया है। बैठक में उपस्थित लोगों ने गौमाता के संरक्षण, सुरक्षा और सम्मान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। आयोजकों ने बताया कि अभियान के तहत आगामी दिनों में विभिन्न ग्राम पंचायतों और गांवों में जनजागरण कार्यक्रम चलाकर लोगों को जोड़ा जाएगा। कार्यक्रम में बस्तर संभाग प्रभारी फूलचंद सोरी, जिला प्रभारी सोनसय साहू, खंड प्रभारी श्यामलाल दुग्गा, श्रवण दुग्गा, सुकालू राम जुर्री, सेवा लाल चिराम, बिदे सिंह कल्लो, शकुंतला नरेटी, तुलसी मतलाम, तेजप्रताप आमले, कुसित दुग्गा, सोमनाथ एवं वीरेंद्र योगेश कोर्राम सहित गौभक्त और ग्रामीण उपस्थित रहे।

विधायक विक्रम के जन्मोत्सव पर दो सरपंच सहित 165 भाजपा में शामिल



अंतागढ़। विधायक विक्रम देव उसेंडी के जन्मोत्सव के अवसर पर ग्राम कापसी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान भारतीय जनता पार्टी का सदस्यता ग्रहण समारोह हुआ। इस दौरान अंतागढ़ मंडल के विभिन्न गांवों के दो सरपंचों सहित लगभग 165 लोगों ने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण की। पार्टी में शामिल होने वालों में ग्राम कोलर के सरपंच हेमराज देहारी और ग्राम मंगतासालेभाट के सरपंच जोगेश्वर कोमरा भी शामिल रहे। भाजपा की रीति-नीति और विचारधारा से प्रभावित होकर पार्टी में शामिल हुए सभी नए सदस्यों का भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने गमछा पहनाकर तथा तिलक लगाकर स्वागत किया। सदस्यता ग्रहण करने वालों में ग्राम कोलर, भैंसगांव, बैहासाल्हेभाट, आमाकड़ा, बोंदानार, पदबेड़ा, कानागांव, आमागांव, डूमरकोट, कोयेपारा और सूरेवाही सहित विभिन्न गांवों के लोग शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान नवप्रवेशी सदस्यों में उत्साह देखने को मिला। भाजपा कार्यकर्ताओं ने सभी नए सदस्यों का अभिनंदन करते हुए पार्टी में उनका स्वागत किया। इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों ने कहा कि विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में लोगों का पार्टी की सदस्यता ग्रहण करना संगठनात्मक विस्तार की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। नए सदस्यों के जुड़ने से ग्रामीण क्षेत्रों में संगठन की गतिविधियों को आगे बढ़ाने में सहयोग मिलेगा। उन्होंने कहा कि पार्टी से जुड़ने वाले नए सदस्य संगठन के साथ मिलकर कार्य करेंगे तथा भाजपा की नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों को ग्रामीण स्तर तक पहुंचाने में अपनी भूमिका निभाएंगे। सदस्यता ग्रहण समारोह के दौरान कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत बनाने और जनसंपर्क गतिविधियों को बढ़ाने पर भी जोर दिया। विधायक विक्रम देव उसेंडी के जन्मोत्सव के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में दो सरपंचों सहित लगभग 165 लोगों के भाजपा में शामिल होने को अंतागढ़ मंडल में पार्टी की सदस्यता गतिविधियों के रूप में देखा जा रहा है। कार्यक्रम के माध्यम से विभिन्न गांवों के लोगों की राजनीतिक सहभागिता और संगठन से जुड़ाव भी सामने आया।

आरक्षण व जातिगत जनगणना की मांग पर विधायक को ज्ञापन

कांकेर। छत्तीसगढ़ सर्व पिछड़ा वर्ग समाज ने अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने, जातिगत जनगणना कराने और पेसा कानून के तहत स्वशासन का अधिकार प्रदान करने सहित विभिन्न मांगों को लेकर कांकेर विधायक आशाराम नेताम को ज्ञापन सौंपा। समाज के प्रतिनिधियों ने मांगों पर गंभीरतापूर्वक विचार कर उनके निराकरण के लिए आवश्यक पहल करने का आग्रह किया। समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि छत्तीसगढ़ में अन्य पिछड़ा वर्ग की आबादी 52 प्रतिशत से अधिक है, इसके बावजूद राजनीतिक एवं पंचायत स्तर पर समाज का प्रतिनिधित्व प्रभावित हो रहा है। समाज ने प्रदेश में ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण का लाभ सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने की मांग की। साथ ही आगामी राष्ट्रीय जनगणना में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की तरह अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए भी अलग कॉलम निर्धारित कर जातिगत जनगणना कराने की मांग उठाई। ज्ञापन में बस्तर संभाग में निवासरत अन्य पिछड़ा वर्ग को पेसा कानून के अंतर्गत स्वशासन के अधिकार में शामिल करने की मांग भी प्रमुखता से रखी गई। समाज के प्रतिनिधियों का कहना है कि बस्तर क्षेत्र में निवासरत पिछड़ा वर्ग की संस्कृति, परंपराएं और रहन-सहन स्थानीय आदिवासी समाज से काफी हद तक मेल खाते हैं। ऐसे में उनकी सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं और जमीन की सुरक्षा के लिए उचित प्रावधान किए जाने चाहिए। इसके अलावा पांचवीं अनुसूची के अंतर्गत मिलने वाली मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग भी की गई। समाज के प्रतिनिधियों ने विधायक से माँग किया कि वे इन मुद्दों को उचित मंच पर उठाकर शासन स्तर पर समाधान के लिए पहल करें। समाज ने कहा कि मांगों का निराकरण होने से पिछड़ा वर्ग को सामाजिक न्याय, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और संवैधानिक अधिकारों का लाभ सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर समाज के ब्लॉक, जिला एवं संभागीय पदाधिकारी तथा सदस्य उपस्थित रहे।



ठाकुर जोहारनी में गोंडी संस्कृति की दिखी झलक

हरिभूमि न्यूज ⏭ बासनवाही



गोंडवाना समाज ब्लॉक नरहरपुर के तत्वावधान में ग्राम छापरपास में ब्लॉक स्तरीय ठाकुर जोहारनी महापर्व का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कृषि मंत्री रामविचार नेताम उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता गोंडवाना समाज ब्लॉक नरहरपुर के अध्यक्ष सगे सिंह वट्टी ने की। अन्य अतिथियों की उपस्थिति में गोंडवाना समाज की सामाजिक रीति-नीति, संस्कृति और परंपराओं के अनुरूप कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

गोंडवाना समाज ब्लॉक नरहरपुर के अध्यक्ष सगे सिंह वट्टी ने बताया कि कार्यक्रम में गोंडी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों ने अपने उद्बोधन में गोंडी भाषा और बोली को भविष्य में जीवित रखने, समाज को एकजुट रखने, शिक्षा के प्रसार तथा सामाजिक परंपराओं के संरक्षण पर जोर दिया। उन्होंने समाज के लोगों के बीच आपसी भाईचारा, एकता और सहयोग की भावना बनाए रखने का संदेश दिया। इस अवसर पर पारंपरिक वेशभूषा, मांदर की थाप पर लोकगोंडी नृत्य, रेला-पाटा तथा सगा समाज की सगा निगाई रस्म के माध्यम से समाज की सांस्कृतिक विरासत की झलक देखने को मिली। उन्होंने कहा कि ठाकुर जोहारनी महापर्व समाज की संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता को मजबूत करने का महत्वपूर्ण अवसर है। ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी को अपनी भाषा, बोली, वेशभूषा और सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने की प्रेरणा मिलती है।

आयोजित कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि विधायक आशाराम नेताम विधायक, विधायक नीलकंठ टेकाम, पूर्व विधायक शिशुपाल शोरी, पूर्व विधायक सुमित्रा मारकोले, तारा ठाकुर, पवन नेताम जनपद सदस्य, बबीता वट्टी सरपंच बासनवाही, कपूरचंद कुंजाम ब्लाक संरक्षक, अजय सुकलाल शोरी उपाध्यक्ष, हेमलाल मरकाम, नंदलाल मण्डावी अध्यक्ष, सर्व आदिवासी समाज ब्लाक नरहरपुर, गोंडवाना समाज के समस्त क्षेत्रीय अध्यक्ष, रामनाथ शोरी, प्रताप भारकर धनोरा, नरेन्द्र नेताम सरोना, विसरुराम मण्डावी जामगांव, सुनेखर नेताम धनेसरा, मयाराम नरेटी उमरादाह, प्रीत नेताम अमोड़ा, सियाराम कोमरे हुमरपानी, गणेश राम कोडोपी नरहरपुर, रामजी नेताम, संतराम नेताम, देवकराम नेताम, महिला प्रभाग युवा युवती प्रभाग, पिछडा वर्ग साहू समाज, निषाद समाज, कलार समाज, कमार समाज एवं अन्य शामिल रहे। समाज के सलाहकार पवन नेताम सहित मंच संचालक नंदलाल मड़ावी, हेमलता और हेमलाल मरकाम ने भी कार्यक्रम के सफल आयोजन में भूमिका निभाई।

न्याय संगत संवैधानिक अधिकार के मुद्दे लोस व विस में उठाएं

सर्व पिछड़ा वर्ग समाज ने संभाग के सांसदों व विधायकों को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भानुप्रतापपुर

छत्तीसगढ़ में पिछड़ा वर्ग समाज अपनी विभिन्न न्यायसंगत और संवैधानिक मांगों को लेकर लगातार मुखर होता नजर आ रहा है। इसी क्रम में 18 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ सर्व पिछड़ा वर्ग समाज की ओर से पूरे बस्तर संभाग के सभी विधायकों और सांसदों को आधिकारिक रूप से ज्ञापन सौंपा गया। समाज ने जनप्रतिनिधियों से पुरजोर आग्रह किया है कि आगामी विधानसभा और लोकसभा के शीतकालीन सत्र में ओबीसी समाज की मांगों को प्रमुखता से उठाया जाए। इस अभियान के तहत भानुप्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र की विधायक सावित्री मंडावी के उपस्थित न हो पाने के कारण, उनके प्रतिनिधि व जनपद पंचायत अध्यक्ष सुनाराम तेता



को ज्ञापन सौंपा गया। प्रतिनिधि के माध्यम से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया कि क्षेत्र की जनता की इन महत्वपूर्ण आवाज़ों को आगामी शीतकालीन सत्र में मजबूती से रखा जाए। छत्तीसगढ़ सर्व पिछड़ा वर्ग समाज अपनी मांगों के समर्थन में लगातार चरणबद्ध आंदोलन कर रहा है। इसके पश्चात कोंडागांव जिला मुख्यालय में भी विरोध प्रदर्शन व आंदोलन दर्ज कराया गया। इसी कड़ी में आगामी 31 अक्टूबर को सुकमा जिला मुख्यालय में एक बड़ा आंदोलन आयोजित किया जाएगा, जिसके तहत राष्ट्रपति, राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

छत्तीसगढ़ सर्व पिछड़ा वर्ग समाज का प्रमुख मांग हैं कि केंद्र और अन्य राज्यों की तर्ज पर पिछड़ा वर्ग समाज को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाए तथा इस आरक्षण व्यवस्था को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल किया जाए। राष्ट्रीय जनगणना में अनुसूचित जाति और जनजाति की भांति पिछड़ा वर्ग समाज के लिए भी अलग से कॉलम निर्धारित कर जातिगत जनगणना कराई जाए।

संभागीय संगठन मंत्री मनीष टेम्पा योगी, संभगिय उपाध्यक्ष अरविंद जैन, हरेश चक्रधारी, युवराज पटेल, जोहर पटेल, दीनदयाल पटेल, दिलीप ताम्रकार, सुखचंद प्रजापति, अजय साहू, संजय सोनी, मयंक सोनी, यशवंत चक्रधारी, धर्मेंद्र यादव, अजय निषाद, जगदेव नाग, रवि साहू, सुमित साहू, चक्र सुदर्शन निषाद, शिवन लाल निषाद, देवेंद्र पटेल, खिलेश्वर पांडे, नारद यादव, संदीप सिन्हा, अश्वनी यादव, संतु राम निषाद, शिशुपाल पटेल, देवी लाल पटेल उपस्थित रहे।

विभागस्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता 21 से

कांकेर। विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के तत्वाधान में श्रद्धेय अशोक सिंघल की जन्म शताब्दी के अवसर पर 21 से 24 अक्टूबर तक मिनी स्टेडियम कांकेर में विभाग स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बस्तर संभाग की 16 टीमें भाग लेंगी, जिनमें दो बालिका वर्ग की टीमें शामिल हैं। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर 24 अक्टूबर को रात्रि 9 बजे दुर्ग के जगराता परिवार द्वारा भक्ति संगीत की प्रस्तुति दी जाएगी।



